पिटल निर्माण के विरोध में विस्थापितों की अनिश्चितकालीन रते सुबोधकांत सहाय।

ध किया था। ...ठने का काम ... आंदोलन के ...का बोझ बढ़ गया है, इसलिए कोर कैपिटल को राजधानी से दूर नई राजधानी बनाना चाहिए। सरकार को इस पर अमल करना चाहिए। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि विस्थापितों की मांगों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना

विस्थापितों के आंदोलन को समर्थन दिया था। मौके पर उन्होंने मामले को संसद में उठाने का भी वादा किया था। साथ ही कहा था कि जरूरत पड़ी तो वह विस्थापितों के साथ सड़क पर उतरकर भी आंदोलन में उनका साथ देंगे। उधर, विधानसभा भवन निर्माण को लेकर विधानसभा अध्यक्ष शशांक शेखर भोक्ता काफी चिंतित हैं। उन्होंने अधिकारियों को बुलाकर स्पष्ट तौर पर निर्देश दे रखा है कि विस भवन निर्माण स्थल की अविलंब घेराबंदी कराएं।

जिन्होंने आयु सीमा, अनुभव, शैक्षणिक योग्यता तथा अवसरों की संख्या में रियायत नहीं ली है एवं उनका अंक अनारक्षित कोटि के कट आफ मार्क्स से अधिक है, उन्हें अनारक्षित कोटि में ही रखा जाना चाहिए। छात्रों ने सीटों के विरुद्ध मात्र तेरह गुणा परिणाम जारी किए जाने पर भी सवाल उठाया है। इनका कहना है कि इस परीक्षा परिणाम से 60 प्रतिशत अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी से उत्तीर्ण हो गए हैं। जेपीएससी ने यूपीएससी एवं अन्य राज्यों के लोक सेवा आयोगों के विपरीत नियमों के आधार पर परिणाम जारी किया है।

विभाग को पत्र लिखा है। 'दैनिक जागरण' ने 21 जून के अंक में इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया था। आयोग का कहना है कि कार्मिक विभाग लगी रोक को तुरंत हटाए ताकि समय पर मुख्य परीक्षा आयोजित की जा सके।

उल्लेखनीय है कि परिणाम के विरोध को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर कार्मिक विभाग ने 16 जून से होने वाली मुख्य परीक्षा स्थगित कर दी गई है।

## रिम्स में बंद है सोडियम पोटाशियम की जांच

रांची : रिम्स के बायोकेमेस्ट्री विभाग में मशीन खराब रहने से तीन माह से सोडियम पोटाशियम की जांच बंद है। मशीन बनवाने की पहल नहीं हो रही है। इससे गरीब मरीज सर्वाधिक प्रभावित है। रिम्स में सोडियम जांच के लिए 15 रुपये और पोटाशियम जांच के लिए 15 रुपये लगते हैं। परंतु वही बाहर में सोडियम पोटाशियम के लिए 550 रुपये लगते हैं। सोडियम पोटिशियम जांच नहीं होने से रिम्स से प्रतिदिन सैकड़ों मरीज वापस लौट रहे हैं। ज्ञात हो कि रिम्स में प्रतिदिन करीब 15 सौ मरीज विभिन्न ओपीडी में इलाज कराते हैं। ओपीडी के डॉक्टर अक्सर मरीजों का सोडियम पोटाशियम जांच लिखते हैं। दबे जुबान मरीज के परिजनों का कहना है कि कहीं यहां के डॉक्टर और बाहर के पैथोलॉजी सेंटरों से कोई तालमेल तो नहीं है।

# पांच फीसद लोगों के घुटने में दर्द की शिकायत

- मेडिका अस्पताल में निशुल्क चिकित्सा शिविर

मेडिका सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सा शिविर में जांच करते डॉ. विकास।

**जागरण संवाददाता, रांची :** पांच फीसद लोगों के घुटना में दर्द की शिकायत रहती है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। चिकित्सक से संपर्क कर स्थिति को समझना चाहिए। जरूरत होने पर घुटने का प्रत्यारोपण कराना चाहिए। घुटनों में दर्द हो तो नीचे नहीं बैठना चाहिए। कंबोड का इस्तेमाल करना चाहिए। घुटने पर ज्यादा दबाव नहीं देना चाहिए। नियमित व्यायाम करें।

यह बातें भगवान महावीर मेडिका सुपरस्पेशियलिटी, कोलकाता के ऑर्थो विंग के निदेशक डॉ. विकास कपूर ने कही। वह मेडिका सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल में आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इलाज से ज्यादा जरूरी उससे बचाव है। कहा, आरामतलब जीवनशैली के कारण यह समस्या लोगों में ज्यादा देखने को मिल रही है। शिविर में डॉ. विकास कपूर ने 200 मरीजों का उपचार किया। इसमें अधिकतर मरीजों को ऑर्थराइटिस, घुटने और जोड़ों में दर्द की शिकायत थी। कई मरीजों को फिजियोथेरेपी की सलाह दी गई। इस मौके पर नीतीश प्रिया और डॉ. रोहित लाल भी उपस्थित थे।

..., खूंटी

...कार

...VIEW

... कनीय अभियंता की सेवा

## चालक नहीं चलाएंगे जर्जर सिटी बसें

- अनिश्चितकाल के लिए बसों का परिचालन बंद

## संत जेवियर कॉलेज से पढ़ाई की थी घोष ने

रांची : हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचइसी) के नए सीएमडी